[This question paper contains 4 printed pages.]

Your Roll No..............

Sr. No. of Question Paper : 2449 **G**

Unique Paper Code : 2055201001

Name of the Paper : Hindi Bhasha or Sahitya (A) (GE)

Name of the Course : **B.A. (Prog.) Hindi**

Semester : I

Duration : 3 Hours Maximum Marks : 90

<u>छात्रों के लिए निर्देश</u>

1. इस प्रश्न-पत्र के मिलते ही ऊपर दिए गए निर्धारित स्थान पर अपना अनुक्रमांक लिखिए।

2. सभी प्रश्न अनिवार्य हैं।

1. निम्नलिखित की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : (8+8+8=24)

(क) गरुड़ को दावा जैसे नाग के समूह पर दावा नागजूह पर सिंहसिरताज को।

दावा पुरहूत को पहारन के कुल पर दावा सबै पच्छिन के गोल पर बाज को।

P.T.O.

भूषन अखंड नवखंड महिमंडल में तम पर दावा रबिकिरनसमाज को।

पूरब पंछाह देश देस दच्छिन ते उत्तर लौं जहाँ पातसाही तहाँ दावा सिवराज को।

अथवा

बिनु देषे उपजै न हि आसा जो दिसै सो होई बिनासा।
बरन सहित जो जापै नामु। सो जोगी केवल निहकामु।।
परचौ रामु रवै जो कोई पारसु परसै दुविधा न होई।
सो मुनि मन की दुबिधा पाई, बिनु दुआरे त्रैलोक समाई।।
मन का सुभाउ सभु कोई करे, करता होई सु अनभे रहे।।

(ख) जोग जुगति सिखए सबै मनौ महामुनि मैन।
चाहत पिय अद्वैतता कानुन सेवत नैन।।
कहत, नटत, रीझत, खिझत, मिलत, खिलत, लजत
भरे भौन मैं करत हैं नैननु हीं सब बात।।

अथवा

मेरा गर्व, समय के चरणों पर कितना बेबस लोटा है।
मेरा वैभव, प्रभु की आज्ञा पर कितना, कितना छोटा है?
आज उसाँस मधुर लगती है, और साँस कटु है, भारी है,
तेरे विदाई दिवस पर, हिम्मत ने कैसी हिम्मत हारी है।

(ग) हिमाद्री तुंग श्रृंग से प्रबुद्ध शुद्ध भारती
स्वयं प्रभा समुज्जवला स्वतंत्रता पुकारती
अमर्त्य वीरपुत्र हो दृढ़ प्रतिज्ञ- सोच लो,
प्रशस्त पुन्य पंथ है- बढ़े चलो- बढ़े चलो

अथवा

छोटी-बड़ी कई झीलें
उनके श्यामल-नील सलिल में
समतल देशों से आ-आकर
पावस की ऊमस से आकुल
तिक्त-मधुर बिसतन्तु खोजते
हंसों को तिरते देखा है
बादल को घिरते देखा है ।।

2. राष्ट्रभाषा के रूप में हिन्दी की स्थिति को स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

हिन्दी भाषा की विकास यात्रा पर प्रकाश डालिए।

3. रीतिकाल की प्रमुख विषेशताओं का उल्लेख कीजिए। (12)

अथवा

आदिकाल की सामान्य विषेशताएँ लिखिए।

4. बिहारी ने अपने दोहों में 'गागर में सागर' भरा है। इस कथन को सोदाहरण स्पष्ट कीजिए। (12)

अथवा

रैदास सामाजिक चेतना के कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।

5. 'बादल को घिरते देखा है' कविता का सार अपने शब्दों में लिखिए। (12)

अथवा

जयशंकर प्रसाद "राष्ट्रीय चेतना" के कवि हैं। स्पष्ट कीजिए।

6. निम्नलिखित में से किन्हीं **तीन** पर टिप्पणी लिखिए : (6×3=18)

(i) संपर्क भाषा

(ii) निगुर्णकाव्य धारा

(iii) रीतिबद्ध काव्य धारा

(iv) भारतेंदुकाल

(v) नगार्जुन का साहित्यिक परिचय